ICAR-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान,
खंडवा रोड, इंदौर-452001

फा.क्र. टेक 10-6/प्रेस मीडिया **दिनांक: 8 दिसम्बर 2023**

सोयाबीन अनुसन्धान के क्षेत्र में भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् द्वारा वर्ष 1987 में इंदौर में स्थापित देश का अग्रणी ICAR-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान, इंदौर दिनांक 10 दिसंबर 2023 को अपना 37वा स्थापना दिवस मना रहा हैं. इस अवसर पर आयोजित किये जा रहे कार्यक्रम में भारत सरकार के कृषि वैज्ञानिक एवं चयन मंडल के अध्यक्ष डॉ. संजय कुमार मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करेंगे तथा संस्थान के निदेशक डॉ के.एच.सिंह पिछले वर्ष संस्थान द्वारा प्राप्त अनुसन्धान उपलब्धियों का ब्यौरा प्रस्तुत करेंगे. डॉ सिंह के अनुसार वर्ष 2022-23 के दौरान संस्थान द्वारा सोयाबीन एन.आर.सी. 165 एवं एन.आर.सी. 181 को मध्य क्षेत्र के लिए इसी वर्ष पहचान हुई हैं. इसके अतिरिक्त भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान से मध्य क्षेत्र की प्रथम वेजिटेबल सोयाबीन किस्म "एन.आर.सी. 188" की भी पहचान हुई हैं. इन तीनों किस्मों को भारत सरकार के गजट नोटिफिकेशन पश्चात किसानों के खेतों पर प्रदर्शित किया जाएगा.

कार्यक्रम के आयोजन सचिव, डॉ बी.यु. दुपारे, प्रधान वैज्ञानिक के अनुसार इस वर्ष सोयाबीन अनुसन्धान के क्षेत्र में विशेष उपलब्धियां प्राप्त करने वाले कर्मचारियों को स्थापना दिवस समारोह के दौरान सम्मानित किया जाएगा. उनके अनुसार संस्थान के सेवानिवृत्त कर्मियों को भी उनके द्वारा संस्थान की प्रगति में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा. स्थापना कार्यक्रम के दौरान संस्थान की राजभाषा पत्रिका "सोया वृत्तिका", विस्तार बुलेटिन "सोयाबीन की आधुनिक खेती एवं तकनिकी अनुशंसाएं", एग्री बिजनेस इन्कुबेशन केंद्र-सोया प्रसंस्कर्ण, मूल्य संवर्धन व उपोत्पाद तकनिकी' समेत कई एनी प्रकाशनों का विमोचन किया जाएगा.

ICAR-Indian Institute of Soybean Research, the premier institute established in the year 1987 by the Indian Council of Agricultural Research is celebrating its 37th foundation day on 10 December 2023. To mark the occasion, a grand celebration program is being organized on 10th December 2023 at the institute campus with the auspicious presence of Dr. Sanjay Kumar, Chairman of the Agricultural Scientist Recruitment Board of the Government of India, as the chief guest. Dr. K.H. Singh, Director of the Institute, will present the details of the research achievements made by the Institute last year. According to him, despite the adverse weather conditions, the year 2022-23 has been very good as far as the production of soybean is concerned. He said that the institute has been successful in the identification of two short-duration soybean varieties namely NRC 165 and 18. As well as NRC 188, the first vegetable soybean variety of Central India was also identified. These three varieties will be demonstrated on the farmers' fields after the gazette notification of the Government of India.

The Organizing Secretary of the program, Dr. B. U. Dupare, Principal Scientist informed that the institute employees who have made exceptional contributions in the research achievements in soybean research this year will be honoured during the Foundation Day function. According to him, retired employees of the institute will also be honored for their significant contribution to the progress of the institute. During the inauguration program 6 publications including the institute's official language magazine "Soya Vritika", extension bulletin "Modern Cultivation and Technical Recommendations of Soybean", "Agri-Business Incubation Centre – Soya Processing, Value Addition, and By-Product Technology" Dos and Don'ts for soybean cultivation will be released

सुस्वागतम्
10 दिसम्बर 2023

37 वां स्थापना दिवस
10 दिसम्बर 2023
ICAR-IISR
CELEBRATION
FOUNDATION DAY

37 वां स्थापना दिवस
10 दिसम्बर 2023
भा.कृ.अनु.प. - भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान
ICAR-IISR
CELEBRATION
FOUNDATION DAY